केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 225 मंगलवार 10 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सड़क हादसे में चालक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीएचयू से दुबहड़ लौटते समय रविवार सुबह एक 108 एम्बुलेंस सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई। इस हादसे में एम्बुलेंस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) गंभीर रूप से घायल हो गया। एम्बुलेंस मरीज को वाराणसी के बीएचयू में भर्ती कराकर लौट रही थी। मृतक चालक की पहचान बस्ती जिले के लालगंज थाना अंतर्गत कौलपुरा गांव निवासी सुनील यादव (35) पुत्र बच्चूलाल के रूप में हुई है। वह बलिया जिले के दुबहड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में 108 एम्बुलेंस सेवा में चालक के पद पर कार्यरत थे।

जानकारी के अनुसार, सुनील यादव मरीज को वाराणसी के बीएचयू में भर्ती कराने गए थे। मरीज को भर्ती कराने के बाद रविवार तड़के करीब 4रू20 बजे वे एम्बुलेंस से सीएचसी दुबहड़ के लिए वापस रवाना हुए। बताया गया है कि रास्ते में दोनों कर्मियों ने लगभग एक घंटे का विश्राम भी किया था। इसके बाद यात्रा दोबारा शुरू की गई। सुबह लगभग 6रू15 बजे कैथी टोल प्लाजा से करीब 500 मीटर पहले एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से जा घुसी। प्रारंभिक आशंका है कि चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ।

टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक सुनील यादव की मौके पर ही मृत्यु हो गई। एम्बुलेंस में तैनात ईएमटी अश्वनी उस समय पिछली सीट पर आराम कर रहे थे और टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए वाराणसी भेज दिया।

पोस्टमार्टम के बाद रविवार देर शाम सुनील यादव का शव उनके पैतृक गांव कौलपुरा लाया गया। सुनील यादव अपने तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा आठ वर्षीय दिव्यांश और छह वर्षीय दिव्यांशु नामक दो छोटे बच्चे हैं। इस दुखद घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है।

अवैध शराब के साथ महिला गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसरामपुर थाने की पुलिस ने ग्राम अचरवल से एक महिला को अवैध अपमिश्रित शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के पास से लगभग 20 लीटर अवैध शराब, 1 किलो यूरिया और 500 ग्राम नौशादर बरामद किया। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार महिला की पहचान मिथलेश सोनकर उर्फ बच्ची, पत्नी रामनरेश, निवासी ग्राम अचरवल, थाना परसरामपुर, जनपद बस्ती के रूप में हुई है।

पुलिस ने अभियुक्तो के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। उसके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विश्व मोहन राय, उपनिरीक्षक झारखंडेय पांडे, हेड कांस्टेबल राघवेंद्र दुबे, कांस्टेबल लवकुश सिंह और महिला कांस्टेबल प्रगति मिश्र शामिल थे।

युद्ध जारीः ईरान ने युद्धविराम से इनकार किया

नई दिल्ली (आभा)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने युद्धविराम की किसी भी संभावना से इनकार कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने स्पष्ट कहा कि जब तक देश पर हमले जारी रहेंगे, तेहरान पूरी तरह अपनी रक्षा और दुश्मनों के खिलाफ करारा जवाबी हमला करने पर केंद्रित रहेगा। स्टूडेंट न्यूज़ नेटवर्क से बात करते हुए बगाई ने कहा कि रक्षा और दुश्मनों के खिलाफ मजबूत जवाबी कार्रवाई के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर बात करने का कोई अर्थ नहीं है।

इस दौरान उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान उन ठिकानों को निशाना बनाना जारी रखेगा, जिनका इस्तेमाल हमलावर ताकतों द्वारा किया जा रहा है, लेकिन पड़ोसी मुस्लिम देशों के साथ किसी टकराव से बचेगा। बगाई ने तुर्की, अजरबैजान और साइप्रस पर हुए कथित हमलों के आरोपों का भी खंडन किया।

उन्होंने दावा किया कि ये घटनाएं झूठे हमलेश हैं, जिनका मकसद ईरान को फंसाना और क्षेत्र में तनाव बढ़ाना है। उन्होंने दोहराया कि ईरान के मुस्लिम पड़ोसियों से कोई युद्ध नहीं है और तेहरान का अभियान केवल शत्रुतापूर्ण ताकतों के ठिकानों तक सीमित है। ये कार्रवाइयां ईरान के आत्मरक्षा के वैध अधिकार का हिस्सा हैं।

गौरतलब है कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शनिवार को सरकारी टेलीविजन पर दिए भाषण में पड़ोसी देशों पर हुए हालिया हमलों के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि तेहरान पड़ोसी देशों पर तब तक हमला नहीं करेगा, जब तक कि उनके क्षेत्र से ईरान पर हमला न किया जाए। पेजेश्कियन ने कहा कि मैं अपनी ओर से और ईरान की ओर से उन पड़ोसी देशों से माफी मांगता हूं, जिन पर ईरान ने हमला किया। उन्होंने आगे बताया कि अंतरिम नेतृत्व परिषद ने फैसला किया है कि अब पड़ोसी देशों पर कोई हमला या मिसाइल दागी नहीं जाएगी, सिवाय इसके कि ईरान पर हमला उन्हीं देशों से हो।

बस ने साईकिल सवार किशोर को रौंदाः मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार बस ने साइकिल सवार 10 वर्षीय किशोर को रौंद दिया। इस हादसे में किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना बस्ती–गोरखपुर मार्ग पर कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई। यह दुर्घटना गिदही पावर हाउस के पास करीब डेढ़ बजे हुई। मनहनडीह गांव निवासी पीयूष कुमार (10) साइकिल से कहीं जा रहा था, तभी एक अनियंत्रित बस ने उसे टक्कर मार दी। बस की चपेट में आने से पीयूष ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और राहगीर घटनास्थल पर जमा हो गए। किसी ने पुलिस को

घटना की जानकारी दी। सूचना पाकर मृतक किशोर के परिजन भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर वाहनों की तेज रफ्तार अक्सर हादसों का कारण बनती है और उन्होंने प्रशासन से यातायात व्यवस्था को सख्त करने की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सामूहिक इफ्तार में दिया समाज सेवा का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्टूडेन्ट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया (एसआईओ) द्वारा रहमतगंज स्थित एसआईओ कार्यालय में नौजवानों द्वारा इफ्तार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं ने मिलकर इफ्तार किया और दीन व समाज से जुड़ी अहम बातों पर चर्चा की।

मुख्य अतिथि आसिफ अकरम जोनल अध्यक्ष, आईडियल यूथ मूवमेंट उत्तर प्रदेश पूर्व ने कहा कि रमजान का महीना इंसान को आत्मसंयम, अच्छाई और समाज सेवा का संदेश देता है। उन्होंने युवाओं से समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर एसआईओ बस्ती ने अंजुमन इस्लामिया के सदर जनाब सुहैल साहब को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें जामा मस्जिद में तालीमी लाइब्रेरी की स्थापना, गरीबों के लिए फ्री मेडिकल कैम्प तथा जरूरतमंद छात्रों के लिए स्कॉलरशिप फंड शुरू करने जैसे सुझाव दिए गए। कार्यक्रम का समापन सामूहिक इफ्तार और दुआ के साथ हुआ।

महिला जनसुनवाई में आये 8 मामलेः अधिकारियों को दिया निस्तारण का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में राज्य महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आईं महिलाओं ने अपनी समस्याएं और शिकायतें प्रस्तुत कीं। सदस्य एकता सिंह ने गंभीरता से शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जनसुनवाई में घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद और अन्य सामाजिक समस्याओं से जुड़े कुल 08 मामले सामने आए। महिलाओं ने अपनी आपबीती सुनाते हुए न्याय की गुहार लगाई।

सदस्य एकता सिंह ने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल सके।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महिलाओं को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिकायतों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने और पीड़ित महिलाओं को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा।

कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी हर्रैया स्वर्णिमा सिंह, एसएचओ महिला थानाध्यक्ष शालिनी सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी बीना सिंह, जिला समन्वयक सचिन कसौधन, एडीओ समाज कल्याण एसएन चौधरी, सीडीपीओ बलराम सिंह, वरिष्ठ सहायक अशोक सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की शान्ति देवी, किरन, रमा यादव और साधना अग्रहरि सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संसद में विपक्ष ने उठाया युद्ध का मुद्दा

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा में बजट सत्र के दूसरे हिस्से की शुरुआत सोमवार को हुई, जहां विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को अचानक छोड़ दिया है। विपक्षी गठबंधन इण्डिया ने पहले फरवरी में बिरला पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया था, लेकिन संख्याबल की कमी के कारण अब उन्होंने रणनीति बदल ली। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने बिरला के खिलाफ पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन का ऐलान किया है। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष को उनके पद से हटाए जाने वाले प्रस्ताव का टीएमसी समर्थन करेगी। साथ ही वह बिरला के खिलाफ वोटिंग भी करेगी।

विपक्ष ने सोमवार को ईरान–इजरायल युद्ध के प्रभाव पर केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया। विपक्षी सांसदों ने नारे लगाए और प्लेकार्ड दिखाए, जिनमें लिखा था कि मध्य–पूर्व जल रहा है, भारतीय फंसे हुए हैं, तेल नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी ने लोकसभा स्थगित होने के बाद कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहा युद्ध भारत की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचाएगा। स्टॉक मार्केट पहले ही प्रभावित हो चुका है और तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। उन्होंने मांग की कि इस मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि यह

जनता से जुड़ा सार्वजनिक मामला है। विपक्ष ने ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों और खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा पर जोर दिया, जहां रेमिटेंस अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं। ईरान–इजरायल संघर्ष 9वें दिन में प्रवेश कर चुका है। इसमें 1200 से अधिक मौतें हो चुकी हैं, जिसमें बच्चे भी शामिल हैं।

युद्ध के कारण तेल की कीमतें चार साल में पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया का 5वां हिस्सा ऊर्जा व्यापार होता है, उस पर खतरा मंडरा रहा है। विपक्ष ने सरकार से ईंधन संकट और महंगाई पर चर्चा की मांग की, लेकिन सरकार ने ऐसी कोई चर्चा से इनकार कर दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में बयान दिया और लोकसभा में भी स्थिति बताई, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण सदन बार–बार स्थगित होता रहा। सरकार ने कहा कि पेट्रोलियम भंडार पर्याप्त हैं और रूसी क्रूड आय बढ़ाकर कमी पूरी की जा रही है, इसलिए ईंधन कीमतें नहीं बढ़ेंगी।

सरकार ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए राहुल गांधी को असफल विपक्ष का नेता कहा। पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि विपक्ष स्पीकर के खिलाफ बहस से भाग रहा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और गृह मंत्री अमित शाह के अगले दिन बहस में शामिल होने की संभावना है। विपक्ष ने माना कि उनके पास अविश्वास प्रस्ताव के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है, इसलिए उन्होंने इसे बाद के लिए टाल दिया। यह रणनीतिक बदलाव विपक्ष की ओर से युद्ध के आर्थिक प्रभाव को प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश दिखाता है, खासकर केरल विधानसभा चुनावों के मद्देनजर जहां खाड़ी से रेमिटेंस अहम हैं।

सर्विलांस सेल ने 82 गुम मोबाइल बरामद कर लाखों का फोन मालिकों को लौटाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सर्विलांस सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 82 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने सोमवार को ये सभी फोन उनके असली मालिकों को सौंप दिए।

अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत के निर्देश पर सर्विलांस सेल प्रभारी शेषनाथ यादव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। इस टीम ने लगातार तकनीकी प्रयासों से विभिन्न स्थानों से इन मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया। बरामदगी अभियान में हेड कांस्टेबल देवेश यादव, सतेंद्र सिंह, अंगद मौर्य और कांस्टेबल दीपक कुमार, विक्रम सिंह, तथा विजय प्रताप यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अपर पुलिस

अधीक्षक श्यामकांत ने बरामद किए गए मोबाइल फोन उनके स्वामियों को सौंपे। अपने खोए हुए फोन वापस मिलने पर मालिकों ने पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद के विभिन्न थानों के माध्यम से CEIR पोर्टल पर गुमशुदा मोबाइलों की जानकारी दर्ज की जाती है। सर्विलांस टीम इसी पोर्टल और तकनीकी सहायता का उपयोग कर मोबाइलों को ट्रैक करती है। इसी प्रक्रिया के तहत ये 82 फोन बरामद किए गए।अधिकारियों के अनुसार, CEIR पोर्टल के माध्यम से अब तक बस्ती जनपद में कुल 698 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। इनमें से 616 मोबाइल फोन पहले ही संबंधित थानों द्वारा उनके मालिकों को लौटा दिए गए हैं। सोमवार को सौंपे गए 82 फोन इसी कुल संख्या का हिस्सा हैं।

टेट के सवाल को लेकर 20 शैक्षिक संगठनों ने बनाया महासंघ, भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक सोमवार को प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में टेट की अनिवार्यता समाप्त किये जाने को लेकर निर्णायक संघर्ष का निर्णय लिया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुये संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि टेट के सवाल को लेकर प्रदेश स्तर पर 20 शैक्षिक संगठनों का एक सामूहिक अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ का गठन किया गया है। इसके बैनर तले 9 मार्च से शिक्षक की पाती राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री (उ.प्र.), नेता प्रतिपक्ष भारत और यूपी को पत्र भेजा जा रहा है। दूसरे चरण में 13 अप्रैल को प्रेस क्लब बस्ती में बैठक के बाद कम्पनीबाग से जिलाधिकारी कार्यालय तक मशाल जुलूस निकाला जायेगा। तृतीय चरण में 3 मई को राजधानी लखनऊ में आयोजित महारैली में बस्ती के शिक्षक हिस्सा लेंगे और चौथे चरण में मानसून सत्र में संसद का घेराव का निर्णय लिया गया है। बैठक के बाद अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ द्वारा राष्ट्रपति सहित सम्बंधित ज्ञापन भेजा गया।

–मानसून सत्र में होगा संसद का घेराव–उदयशंकर शुक्ल

यह जानकारी देते हुये उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि बैठक में अटेवा के अध्यक्ष तौव्वाब अली, जूनियर शिक्षक संघ अध्यक्ष अम्बिका पाण्डेय, टी.एस.सी.टी. अध्यक्ष प्रमोद ओझा, माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के जिला संयोजक अजय कुमार वर्मा आदि ने कहा कि अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ की एकजुटता से टेट समस्या का समाधान होगा। बैठक में मुख्य रूप से अभय सिंह यादव, स्कन्द मिश्र, दिवाकर सिंह, इन्द्रसेन मिश्र, चन्द्रभान चौरसिया, विनोद यादव, आनन्द सिंह, मारूफ खान, नरेन्द्र दूबे, राजीव पाण्डेय, सतीश शंकर शुक्ल, ओम प्रकाश पाण्डेय, सुखराज गुप्ता, सौरभ त्रिपाठी, शैल शुक्ल, संजय यादव, सन्तोष शुक्ल, राजेश चौधरी, इजहास्ल हक, विनय करूण, रामपाल चौधरी, त्रिलोकीनाथ, सुनील पाण्डेय, रविन्द्रनाथ, आशुतोष पाण्डेय, भैयाराम राव, अरविन्द पाण्डेय, कृष्ण कुमार वर्मा, ओंकार चौधरी, नरेन्द्र पाण्डेय, मुक्तिनाथ वर्मा, फैजान अहमद, वैभव कन्नौजिया, दिनेश वर्मा, चन्द्रिका सिंह, प्रणव मिश्र, राजेश कुमार, सत्य प्रकाश पाठक, देवेन्द्र वर्मा, भरतराम, शोभाराम, अभिराम वर्मा, ज्ञानदास चौधरी के साथ ही विभिन्न संगठनो के पदाधिकारी, शिक्षक उपस्थित रहे।

होली के दिन डीजे बजाने के विवाद में मारा पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। होली के दिन डीजे बजाने के दौरान मना करने पर मारपीट, घायल कर देने का मामला सामने आया है। इस सम्बन्ध में स्थानीय पुलिस द्वारा दोषियों के विरूद्ध कोई कार्रवाई न होने पर रूधौली थाना क्षेत्र के मुनियाव निवासी विनय कुमार पुत्र स्वर्गीय भगवानदीन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में विनय कुमार ने कहा है कि होली के दिन 4 मार्च को उसके घर के निकट डीजे बज रहा था। इन्द्रजीत व अजीत पुत्रगण राम सुरेश नशे के हालात में वहां पर नाच रहे थे तथा बार–बार गाली गलौज कर रहे थे उसी वक्त वहां से नाचते नाचते इन्द्रजीत व अजीत उसके घर के सामने आ गये तथा धूल मिट्टी उठा कर अंगद के उपर फेकने लगे। अंगद के द्वारा मना करने पर इन्द्रजीत व अजीत अंगद को पकड़ लिये तथा उनका कमीज फाड दिये और मारने पीटने लगे। जिसके बाद उसकी पुत्री अंशिका विनय के भाई

दीपक की पुत्री सुमन वहां पहुची और बीच बचाव करने लगी। उसी वक्त अजीत व इन्द्रजीत व अजीत की पत्नी लीला देवी व अजीत का पुत्र अमित बैट डण्डा लेकर मौके पर पहुंच गये तथा अंगद, सुमन व अंशिका को बेरहमी से बैट डण्डा से मारने लगे जिससे सुमन व अंशिका के सर फट गया तथा पूरा चहेरा लहूलुहान हो गया। सुमन व अंशिका के शोर मचाने पर सुनीता देवी आदि बीच बचाव करने लगे तो उन लोगों ने उसकी पत्नी के उपर भी बैट डण्डा लेकर टूट पडे। गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो इन्द्रजीत व अजीत पुत्रगण रामसुरेश व लीला देवी पत्नी अजीत, अमित पुत्र अजीत वहा से जान मारने की धमकी देते हुए तथा फर्जी एस०टी०एस०सी० का मुकदमा भी दर्ज कराने की धमकी देते हुए वहा से भाग गये। घटना के बाद डायल 112 मौके पर पहुंची और उसने सम्बन्धित थाने मे जाकर घटना के सम्बन्ध में तहरीर दिया किन्तु रूधौली थाना के द्वारा न तो घायलों का डाक्टरी मुआयना कराया गया न तो दोषियों के विरूद्ध मुकदमा ही पंजीकृत हुआ। इससे उसका परिवार भयभीत है।

विनय कुमार ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की मांग किया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 मार्च 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

नेपाल का जनादेश

नेपाल का चुनाव परिणाम दुनिया के उन तमाम देशों के शासकों को एक सबक है, जो राष्ट्र को अपनी जागीर समझ कर शासन चलाने की भूल कर रहे हैं। भारत के पड़ोसी इस नन्हें राष्ट्र का चुनाव परिणाम युवा शक्ति के बदलाव की दृढ़ इच्छाशक्ति का नतीजा है, जहां उनमें पलायन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के बच्चों तक ही सीमित सुख और अय्याशी पूर्ण जीवनशैली के खिलाफ आग धधक रही थी, जिसकी लपटों में नेपाल की एक से एक पुरानी पार्टियां जलकर राख हो गईं। नेपाल से कम्युनिस्ट पार्टियों का खात्मा भारत के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है।

सत्ता में आ रही राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को शहरी प्रभाव वाली पार्टी कहकर इसके सीमित क्षेत्रों तक सिमटने और 4 बार के प्रधानमंत्री ओली को धूल चटाते हुए ऐतिहासिक मतों के अंतर से जीते काठमांडू के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री का चेहरा रहे बालेन शाह को कड़े मुकाबले में फंसना बताया जा रहा था। राजनीतिक विश्लेषकों के सारे के सारे अनुमान धरे के धरे रह गए। चुनाव नतीजों में हर क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मिल रही शानदार बढ़त से यह साफ हो गया है कि राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल को पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार नसीब होने जा रही है। पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने ने बालेन शाह को पार्टी में शामिल होते ही प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया था। रवि लामी नई सरकार में गृहमंत्री होंगे, यह भी तय है। सरकार गठन के पूर्व उन्होंने राजनीतिक दलों से 40 साल का हिसाब लेने का बयान देकर पुराने राजनीतिक दलों में खलबली मचा दी है। उनका यह बयान भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुली जंग के ऐलान के रूप में देखा जा रहा है।

ओली सरकार में बहुत कम दिनों तक गृहमंत्री रहे रवि लामी छाने की छवि एक सख्त गृहमंत्री की उभर कर जनता के सामने आई थी। उन्होंने एक से एक राजनीतिक भ्रष्टाचार को उजागर कर जनता में अपनी छवि ईमानदार नेता की बना ली थी। अमरीकी पृष्ठभूमि के रवि लामी छाने का रुख भारत के प्रति कैसा होता है यह देखना दिलचस्प होगा। हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेता अमरेश सिंह ने चुनाव परिणाम में पार्टी की बढ़त के बीच काठमांडू में मीडिया के सवालों के जवाब में साफ कहा कि भारत से मधुर संबंध को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है। उसे साथ लेकर नेपाल को आगे बढ़ाएंगे। लेकिन बालेन शाह हैं तो चीन के खिलाफ लेकिन भारत के प्रति उनके रुख को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है क्योंकि बतौर मेयर उनका अपने कक्ष में ग्रेटर नेपाल का लगाया मानचित्र भारत को खटकता रहा, क्योंकि इस नक्शे में भारत के कई इलाकों को नेपाली भू–क्षेत्र दर्शाया गया है। खैर अब वह एक ऐसे राष्ट्र के प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं, जिसका संबंध भारत से केवल खानापूर्ति जैसा नहीं, दोनों के बीच रोटी–बेटी का सदियों पुराना रिश्ता तो है ही, दोनों देश भौगोलिक, रीति–रिवाज और सांस्कृतिक सभ्यता की दृष्टिकोण से भी एक–दूसरे से जुड़े हैं।

बालेन शाह से नेपाल के युवाओं और महिलाओं को काफी उम्मीदें हैं। वे जेन जी आंदोलन का प्रमुख चेहरा थे। आज उनकी इस बात को लेकर तारीफ हो रही है कि जो शख्स नेपाल की दुश्वारियों को भांप कर सरकार अपदस्थ करने का माद्दा रखता हो, उसके द्वारा सरकार चलाने में किसी संशय की गुंजाइश नहीं है। बालेन शाह सरकार के कामकाज के तरीकों पर दुनिया की नजर रहना स्वाभाविक है। इस पार्टी के दो प्रमुख चेहरे बालेन शाह और रवि लामी छाने की कोई लंबी राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। बालेन शाह इंजीनियर और रैपर रहे हैं जबकि रवि लामी छाने की पहचान एक पत्रकार की रही है। 2022 के चुनाव में उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का गठन किया, चुनाव लड़े और 20 सीटों पर धमाकेदार जीत दर्ज की। बालेन शाह काठमांडू के युवाओं में खासा लोकप्रिय थे, निर्दलीय चुनाव लड़े और काठमांडू का मेयर बन गए। एक मेयर से नेपाल का प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन शाह का जन्म एक साधारण शिक्षक परिवार में हुआ था। पढ़ाई इस स्तर की थी कि वह 2–4 लाख रुपए महीने की नौकरी कर अच्छा जीवन बिता सकते थे लेकिन उन्हें सनक थी संपूर्ण नेपाल की जीवनशैली सुधारने की। नेपाली जनता ने उन्हें यह मौका दे दिया है। अब नेपाल को तरक्की की ओर ले जाने की जिम्मेदारी उनकी है।

भीषण युद्ध की कीमत चुका रही है मानवता

—सुरेश सेठी—

वैश्विक शक्तियां अगर एक–दूसरे के परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है। अगर रेडियो–एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।

अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच जो भीषण युद्ध छिड़ गया है, उसके बीच संवाद की कोई गुंजाइश नजर नहीं आती। बल्कि हर रोज युद्ध का विस्तार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ईरान है और उसकी जुनूनी सैनिक ताकत, जो अपने शिया सुप्रीमो खामेनई की मौत का बदला खून की आखिरी बूंद तक लेना चाहती है। दूसरी ओर है अमेरिका की महाशक्ति और मध्यपूर्व का चेहरा इस्राइल, जो कहने को तो ईरान के परमाणु शक्ति बनने पर अंकुश लगाने के लिए युद्ध में कूदा है। लेकिन उसके निरंकुश मंसूबे किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया में शांति के नाम पर तबाही का पहाड़ा पढ़ा जाने लगा। जहां–जहां भी यह पहाड़ा शुरू हुआ, चाहे यह यूक्रेन और रूस के बीच हो या अब नये युद्ध केन्द्र पाकिस्तान और अफगानिस्तान या संभावित युद्ध केन्द्र चीन और ताइवान, यह पहाड़ा तबाही का सबब बन रहा है।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका–इस्राइल संघर्ष दुनिया के युद्धरत और दूसरे देश भी संभावित तबाही के भय से कांप रहे हैं। जिस तरह से यह युद्ध आतंकवाद को नियंत्रित करने के नाम पर लेबनान और ब्रिटिश बेसों वाले साइप्रस तक फैल गया है, उससे सबकी चिंता और भी बढ़ गई है। सोचा गया था कि इतनी शक्तियां मिलकर इस युद्ध को कुछ दिन में निपटा देंगी। जिस तेजी से परेशानियां बढ़ रही हैं, उस तेजी से युद्ध निपटने के अवसर भी हैं। लेकिन जहां बड़ी ताकतें अपनी ताकत से मदमत्त हों, वहां हर दिन शांति की गुंजाइश कम होती है और युद्ध की भीषणता की आशंका बढ़ती है।

लेकिन इस संभावना में एक और खतरनाक बात भी सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईआईए के न्यूक्लियर वॉच डॉग ने एक ओर चेतावनी जारी की है कि परमाणु शक्तियों सावधान हो जाओ! जिस तरह से भीषण जंग हो रही है, परमाणु बम चलाए बिना परमाणु तबाही हो सकती है। यह सही है कि अभी तक ऐसी तबाही नहीं हुई है लेकिन परमाणु एजेंसी के मुखिया राफेल ग्रामसी कहते हैं कि चाहे बम नहीं चलाओगे, लेकिन एक–दूसरे को पस्त करने के लिए वैश्विक शक्तियां अगर एक–दूसरे के परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है। अगर रेडियो–एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही के भय से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए राफेल ग्रामसी ने कहा कि जल्द से जल्द इस युद्ध को संवाद की सहायता से रोकिए। वैसे अभी तक रेडिएशन का स्तर सामान्य है, लेकिन यह सामान्य रहेगा, इसकी क्या गारंटी है?

वैसे तबाही तो कई और आयामों से भी झांक रही है। इस लड़ाई में तेल आपूर्ति का सामान्य समुद्री मार्ग, जिसमें से तेल टैंकरों की बीस प्रतिशत आवाजाही है, वह ध्वस्त हो गया है। सऊदी अरब स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी ड्रोन हमले की शिकार हो गई है। उसे अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। कतर एनर्जी ने एलएनजी का उत्पादन बंद करने की घोषणा कर दी। पहले झटके में यूरोप में तेल और गैस की कीमतें उछल गई हैं। तीसरी दुनिया के देश और भारत कब तक बचेंगे? पूरा विश्व परेशान हो रहा है।

अमेरिका को उम्मीद थी कि अगर ईरान में से खामेनेई और उनके साथी साफ कर दिए जाते हैं तो बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से संत्रस्त जेन–जी युवा विरोध में सड़कों पर उठ खड़े होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ बल्कि वहां सत्ता पर खामेनेई समर्थकों का ही वर्चस्व है और वे करो या मरो के अंदाज में लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर ट्रम्प अभी परेशान है कि ब्रिटेन और फ्रांस मौन समर्थन दे रहे हैं, युद्ध में कूदे क्यों नहीं? दूसरी ओर रूस और चीन का भी मूक समर्थन ईरान के साथ है। चीन ने अभी फिर अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने पर नाराजगी जताई है।

इस समय संघर्ष में बड़े हमले हो रहे हैं। अरब देश जंग में एक या दूसरा पक्ष लेने के लिए मजबूर हो रहे हैं। ऐसी हालत में भारत का स्टैंड यही है कि बंद करो ये मौत का पागलपन, और अपनी लड़ाई को संवाद से रोको। लेकिन यहां तो अमेरिका व इस्राइल का लक्ष्य यह है कि ईरान में सत्ता बदलेगी, तभी संवाद शुरू करेंगे।

ऐसे में मौत का यह तांडव कैसे नियंत्रित होगा जबकि संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिए कमजोर शक्ति सिद्ध हो चुका है। इसलिए द्वारा बनाया गया पीस बोर्ड वजूद में आए, इससे पहले ही यह भयानक जंग शुरू हो गई। इसलिए यह एक सामूहिक तबाही का युद्ध साबित हो सकता है। भारत जैसे विकासशील देश जो अहिंसा की राह पर चलते हुए वसुधैव कुटुम्बकमङ् का सपना देख रहे थे, उनके लिए एक मुश्किल इम्तिहान पैदा हो गया। उनके आसमान में तबाहियों के ये मशवरे हर ओर लहराने लगे। इससे बचकर पूरी दुनिया में शांति स्थापना का बिगुल कैसे बजाया जाए, आज तीसरी दुनिया के देशों का नेतृत्व करने वाले भारत के सामने यही चुनौती है।—लेखक साहित्यकार हैं।

करिश्माई तकनीक के जोखिम

—डा. संजय वर्मा —

एआई के क्षेत्र में देश के रूप में भारत कई उम्मीदें जगाता है। दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन 2026 के दौरान जहां लोगों (यूजर्स) का उत्साह नजर आया वहीं कई गड़बड़ियां भी हुईं। जिनसे सबक लेकर आगे बढ़ना बेहतर है। दरअसल घोषणाओं–समझौतों के अलावा इसमें कई सवालों पर विचार–मंथन इसका हासिल है। देश के लिए इस क्रांतिकारी तकनीक से नए अवसर पैदा करने का मौका है, जिसके लिए सबकी पहुंच, डाटा पारदर्शिता और इसके नियमों पर अमल यकीनी होना जरूरी है। वहीं जरूरत इनोवेशन की है।

एशिया की नजर से देखें, तो इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को भारत इसलिए उपलब्धि मान सकता है कि एक उभरती हुई तकनीक में वैश्विक सम्मेलन का आयोजन करते हुए देश ने समय के साथ तेज कदमताल करने का साहस दिखाया। एक ऐसे समय में, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों पर यह तोहमत है कि वे दुनिया भर की नौकरियों के लिए काल बन रही हैं और नैतिकता के प्रश्न इस तकनीक से संबंधित सवालों के शीर्ष पर हैं। इस सम्मेलन के आयोजन को तकनीक से बाहर के कई सवालों पर विचार–मंथन का मंच कहा जा सकता है। यह बात दीगर है कि कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिले। ऐसा हो भी नहीं सकता, क्योंकि यह तकनीक और इससे जुड़ी सुविधाएं–दुविधाएं नयी हैं। धीरे–धीरे ही इससे जुड़े कई मसलों का हल सामने आएगा।

जहां तक इस सम्मेलन की सफलता का सवाल है, तो इसके दो स्पष्ट छोर दिखे। एक छोर पर उत्साह और जिज्ञासा थी। दावा है कि अमेरिका के बाद भारत का एआई उपभोक्ता वर्ग सबसे बड़ा है। इसकी झलक सम्मेलन के पंडाल के अंदर–बाहर मौजूद भीड़ के रूप में मिली। जो संकेत थी कि भारत में कितने अधिक लोग एआई के बारे में जानने–समझने और इसे आजमाने के लिए उत्सुक हैं। दूसरे छोर पर गड़बड़ियां दिखीं। पहली गड़बड़ी वीआईपी हस्तियों के आवागमन के दौरान सम्मेलन में हिस्सा लेने आए लोगों, जानकारों और तकनीक के प्रदर्शकों को ही हॉल से बाहर करने से संबंधित थी। इस समस्या से पार पाया गया, तो एक निजी विश्वविद्यालय के चीन–निर्मित एआई रोबोट को अपना आविष्कार बताने के दावे ने जगहंसाई करा दी। हालांकि एक वैश्विक आयोजन में ऐसी समस्याएं पैदा होना स्वाभाविक है। इन घटनाओं से सबक लेकर दूसरे ऐसे आयोजनों में सावधानियां बरती जा सकती हैं। लेकिन प्रमुख सवाल है कि क्या इसके बावजूद सम्मेलन को सफल माना जा सकता है?

एआई में देश के रूप में भारत कई उम्मीदें जगाता है। विशाल युवा आबादी वाले वर्ग की इसमें बड़ी भूमिका है। क्योंकि इस आबादी में बहुत बड़ा हिस्सा उनका है, जो तकनीक के मामले में शिक्षित हैं और सूचना–प्रौद्योगिकी क्षेत्र के वैश्विक मंच पर उल्लेखनीय दखल रखते हैं। सत्या नडेला से लेकर सुंदर पिचाई तक भारतीय युवा पेशेवरों की लंबी लिस्ट है जो साबित करती है कि कंप्यूटर–आईटी के मामले में हमारी प्रतिभाओं का कोई सानी नहीं। आईटी के बाद इंटरनेट की दुनिया में जब से एआई की चर्चा चली है, यह दावा भी किया जाने लगा था कि इसमें भी भारतीय पेशेवर आगे रहेंगे। हालांकि एआई का यह नया दौर अभी शैशवावस्था में है, अभी यह कहना प्रासंगिक नहीं होगा। वजह यह कि अपने नए रूप–रंग में आते ही एआई को तकरीबन हर दूसरे क्षेत्र (सेक्टर) की नौकरियों का काल माना जाने लगा है।

दूसरी समस्या है कि अभी एनवीडिया और ओपनएआई समेत जो एआई कंपनियां धाक जमा पाई हैं, उनमें से ज्यादातर अमेरिकी हैं। या फिर डीपसीक जैसी पहलकदमियों के बल पर चीन बड़ा मैदान मारने की कोशिश में है। मामला असल में इनोवेशन का है, जिसमें भारत को दांव आजमाना चाहिए। लेकिन इस मोर्चे पर अभी हमारा देश कुछ ठोस खोजने में कामयाब नहीं रहा। शायद यही वजह कि इस शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में भारत ने एआई के प्रति अमेरिका की उदासीन नीतियों का आसानी से समर्थन कर दिया। इसकी वजह यही समझ में आती है कि जिन लोगों, संस्थाओं और संगठनों के कंधों पर देश में एआई से संबंधित नवाचार करने की जिम्मेदारी है, उनके पास कुछ नया कहने–सुनने व करने को नहीं है। अभी कोई स्वदेशी कंपनी चौटजीपीटी से आगे की एआई तकनीक का कोई मॉडल नहीं सुझा पाई। इसके बरक्स भारत की सर्वम एआई के चौटजीपीटी सरीखे विकल्प एआई चौट ऐप 'इंडस ' को रखें, उसका नाम बहुतेरे लोगों ने नहीं सुना। भारत ने सर्वम के अलावा दो अन्य एआई मॉडल भी दुनिया के सामने रखे–ज्ञानी और भारतजेन। लेकिन ये दोनों मॉडल अभी आमजन के लिए अपरिचित हैं। यह सब तब है, जब भारत एआई को सबसे ज्यादा डेटा मुहैया कराता है। यहां डेटा सेंटरों की क्षमता तेजी से बढ़ रही है। इसलिए एआई के इस दौर में ज्यादा जरूरत नई जमीनें तोड़ने की है, ताकि इसकी शक्ति का सही और सतर्क इस्तेमाल किया जा सके।

ध्यान रखना होगा कि एआई सिर्फ सॉफ्टवेयर का विषय नहीं है। इसमें सेमीकंडक्टर और इस तकनीक को संचालित करने वाले ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की बड़े पैमाने पर जरूरत होती है। इन दोनों ही क्षेत्रों में फिलहाल ताइवान और अमेरिकी कंपनियों को काफी ज्यादा बढ़त हासिल है। देश में सेमीकंडक्टर निर्माण की प्रक्रिया तो शुरू हो चुकी है और विक्रम नाम से देश की पहली सेमीकंडक्टर चिप बनाई है, लेकिन जीपीयू के मामले में अमेरिका की एनवीडिया का विकल्प पैदा करना आसान नहीं। एक और अहम चुनौती एआई के नैतिक इस्तेमाल और सुरक्षा मानकों की है। भारत की एक इमेज साइबर फ्रॉड मामलों में शीर्ष देश की भी है, तो देश में एआई के इस्तेमाल के रूप पर चिंताजनक परिदृश्य सामने आता है। एआई के नैतिक इस्तेमाल का दायरा शिक्षा से लेकर शोध क्षेत्र तक फैला है। इसलिए एआई पर कोई महासम्मेलन आयोजित करने के साथ–साथ इसका बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने, नवाचार की गुंजाइशें पैदा करने और पश्चिमी देशों की नीतियों का आंख मूंदकर समर्थन करने की जगह यह देखने की कोशिश हो कि कैसे हम इससे देश में ज्यादा से ज्यादा रोजगार पैदा कर सकें। यह समझना होगा कि पश्चिम में एआई को बढ़ावा देने की वजह वहां काम करने योग्य आबादी की नगण्य उपस्थिति है। लेकिन भारत तथा अन्य एशियाई देशों में समस्या कामकाजी–युवा आबादी को रोजगार मुहैया कराने की है। इसलिए एआई का एक भारतीय मॉडल तैयार करना होगा दृ जो हमारी प्रतिभावान युवा आबादी की अपेक्षाओं–आकांक्षाओं के अनुरूप हो। हालांकि इसका अर्थ एआई का बहिष्कार करना नहीं।

अस्थिर दुनिया में बड़ी हो रही आज की पीढ़ी

—देवी एम. चेरियन—

हर पीढ़ी अपनी चुनौतियों का सामना करती है। हमारे दादा–दादी ने युद्ध और अभाव देखे, हमारे माता–पिता ने आध्थक संघर्ष और राजनीतिक परिवर्तन। लेकिन आज की युवा पीढ़ी एक ऐसी दुनिया में बड़ी हो रही है, जो लगातार अस्थिर महसूस होती है। युद्धों, संघर्षों आध्थक मंदी, राजनीतिक तनाव और अचानक आने वाले वैश्विक संकटों की खबरें मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से तुरंत पहुंच जाती हैं। छात्रों के लिए, विशेष रूप से उनके लिए, जो विदेश में पढने की योजना बना रहे हैं या पहले से ही विदेशों में पढ़ रहे हैं, इस अनिश्चितता ने उनके जीवन को उन तरीकों से आकार देना शुरू कर दिया है, जिनका सामना पिछली पीढियों ने नहीं किया था। आज की दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई महसूस होती है। हजारों मील दूर होने वाला संघर्ष ईंधन की कीमतों, नौकरी के बाजारों, वीजा नीतियों और यहां तक कि विश्वविद्यालय परिसरों के माहौल को भी प्रभावित कर सकता है। उन युवा छात्रों के लिए, जो अभी अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू कर रहे हैं, यह वातावरण गहरी अनिश्चितता पैदा कर सकता है।

विदेश में पढने वाले छात्रों के लिए पहली चुनौती भावनात्मक है। घर छोडना कभी आसान नहीं होता। अमरीका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा या ऑस्ट्रेलिया जैसे स्थानों की यात्रा करने वाला एक युवा छात्र पहले से ही घर की याद, सांस्कृतिक तालमेल और शैक्षणिक दबाव का सामना करता है। जब वैश्विक तनाव बढ़ता है, तो ये भावनात्मक तनाव और बढ़ जाते हैं। संघर्षों, वीजा प्रतिबंधों या देशों के बीच कूटनीतिक तनाव की खबरें न केवल छात्रों के लिए, बल्कि घर पर उनके परिवारों के लिए भी चिंता पैदा कर सकती हैं। विदेशों में होने वाली छोटी–सी घटना भी तब घबराहट पैदा कर सकती है जब वह टैलीविजन स्क्रीन और सोशल मीडिया पर दिखाई देती है। एक युवा छात्र के लिए, जो पहले से ही असाइनमैंट, परीक्षा और अंशकालिक काम के साथ संघर्ष कर रहा है, यह अतिरिक्त भावनात्मक दबाव एकाग्रता और आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकता है।

एक और चुनौती आर्थिक अनिश्चितता है। विदेश में पढ़ाई महंगी है। परिवार अक्सर अपने बच्चों को विदेशी विश्वविद्यालयों में भेजने के लिए अपनी जीवन भर की बचत खर्च कर देते हैं या बड़ा कर्ज लेते हैं। जब वैश्विक तनाव अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करते हैं, तो मुद्राओं में उतार–चढ़ाव होता है और जीवनयापन की लागत बढ़ जाती है। किराए, भोजन की कीमतों या ट्यूशन फीस में अचानक वृद्धि छात्रों के लिए गंभीर तनाव पैदा कर सकती है। स्नातक होने के बाद भविष्य में नौकरी के अवसरों के बारे में अनिश्चितता भी एक बड़ी चिंता बन जाती है। उदाहरण के लिए, कोविड–19 महामारी के बाद, कई अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने नौकरी के बाजारों को रातों–रात सिकुड़ते देखा। इंटर्नशिप गायब हो गईं, कंपनियों ने नियुक्तियां रोक दीं, और यात्रा प्रतिबंधों ने छात्रों के लिए घर लौटना या देशों के बीच आवाजाही करना मुश्किल बना दिया।

विदेश में पढने वाले छात्रों के लिए पहली चुनौती भावनात्मक है। घर छोडना कभी आसान नहीं होता। अमरीका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा या ऑस्ट्रेलिया जैसे स्थानों की यात्रा करने वाला एक युवा छात्र पहले से ही घर की याद, सांस्कृतिक तालमेल और शैक्षणिक दबाव का सामना करता है। जब वैश्विक तनाव बढ़ता है, तो ये भावनात्मक तनाव और बढ़ जाते हैं। संघर्षों, वीजा प्रतिबंधों या देशों के बीच कूटनीतिक तनाव की खबरें न केवल छात्रों के लिए, बल्कि घर पर उनके परिवारों के लिए भी चिंता पैदा कर सकती हैं। विदेशों में होने वाली छोटी–सी घटना भी तब घबराहट पैदा कर सकती है जब वह टैलीविजन स्क्रीन और सोशल मीडिया पर दिखाई देती है।

यहां तक कि भारत में पढ़ रहे छात्र भी वैश्विक अस्थिरता से अछूते नहीं हैं। आज के छात्र इंस्टाग्राम, यूट्यूब और 'एक्स' जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय समाचारों का बारीकी से अध्ययन करते हैं। हालांकि जानकारी तक यह पहुंच शक्तिशाली है लेकिन यह युवा दिमागों को डरावनी सुर्खियों की निरंतर धारा के संपर्क में भी लाती है। परीक्षा की तैयारी करने वाले या करियर की योजना बनाने वाले छात्र के लिए अनिश्चितता का यह माहौल विचलित करने वाला हो सकता है। एक और प्रभाव अनिश्चित समय में प्रतिस्पर्धा का मनोवैज्ञानिक दबाव है। जब भविष्य अप्रत्याशित लगता है, तो छात्र अक्सर महसूस करते हैं कि उन्हें अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए और भी कड़ी मेहनत करनी होगी। इससे पढ़ाई के घंटे लंबे हो जाते हैं, कोचिंग क्लास बढ़ जाती हैं और सफल होने का दबाव ज्यादा हो जाता है। उन्हें परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करना होता है, शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना होता है, अंतर्राष्ट्रीय करियर बनाना होता है और वैश्विक परिवर्तनों के अनुकूल होना होता है–सब एक ही समय में। इन अपेक्षाओं का बोझ कभी–कभी भारी महसूस हो सकता है।

फिर भी, यह कहना अनुचित होगा कि युवा पीढ़ी कमजोर है या मुकाबला करने में असमर्थ है। वास्तव में, आज की युवा पीढ़ी इतिहास की सबसे अनुकूलनशील पीढियों में से एक हो सकती है। वे तकनीक का उपयोग करते हुए, सीमाओं के पार संवाद करते हुए और नए कौशल जल्दी सीखते हुए बड़े हुए हैं। इसी तरह, विदेश में पढने वाले युवा अक्सर मजबूत स्वतंत्रता विकसित करते हैं। वे वित्त प्रबंधन करना, सांस्कृतिक मतभेदों को संभालना और समस्याओं को अपने आप हल करना सीखते हैं। ये अनुभव, हालांकि कभी–कभी तनावपूर्ण होते हैं, लचीलापन और आत्मविश्वास भी पैदा करते हैं। इसलिए, जिम्मेदारी केवल छात्रों की ही नहीं, बल्कि परिवारों, शिक्षकों और सरकारों की भी है। माता–पिता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि उनके लिए अपने बच्चों की चिंता करना स्वाभाविक है लेकिन निरंतर चिंता कभी.–कभी छात्र के तनाव को बढ़ा सकती है। प्रोत्साहन, विश्वास और भावनात्मक समर्थन युवाओं को अपने आसपास की अनिश्चित दुनिया के बावजूद अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकते हैं।

कई मायनों में, आज के छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां उन्हें भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार भी कर सकती हैं। एक जटिल, परस्पर जुड़ी दुनिया में बड़ा होना अनुकूलन क्षमता, वैश्विक जागरूकता और लचीलापन सिखाता है। ये गुण आने वाले दशकों में आवश्यक होंगे। उनकी यात्रा अनिश्चित समय में शुरू हो सकती है लेकिन यह उन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अधिक स्थिर और आशाजनक भविष्य बनाने की ताकत भी दे सकती है।—देवी एम. चेरियन

शादी के नाम ठगी, अश्लील वीडियो बनाने वाले गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस ने शादी कराने के नाम पर ठगी करने और अश्लील वीडियो बनाकर दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने के आरोप में तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक मोबाइल फोन और 7,460 रुपये नकद बरामद किए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर की गई।

अभियुक्तों पर आरोप है कि उन्होंने एक पीड़ित से शादी कराने के नाम पर 30,000 रुपये और एक मोबाइल फोन लिया था। इसके बाद, वे पीड़ित को एकांत में ले गए, मारपीट की, डराया–धमकाया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया। फिर उन्होंने पीड़ित को दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी थी।

यह मामला थाना मल्हीपुर में मु0अ0सं0–41/2026 धारा 115(2),308(6),351(2),317(2) बीएनएस के तहत पंजीकृत किया गया था। अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम और क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक महेंद्र कुमार सिंह और उनकी टीम ने मधवापुल घाट के पास से इन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में विश्राम पुत्र घसीटे (निवासी दुर्गापुरवा, थाना मल्हीपुर, जनपद श्रावस्ती), घसीटे की पत्नी (निवासी दुर्गापुरवा, थाना मल्हीपुर, जनपद श्रावस्ती) और बृजेश उर्फ बडकऊ की पत्नी (निवासी खानपुरवा, थाना को0 भिनगा, जनपद श्रावस्ती) शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से पीड़ित का वीवो एंड्रॉइड मोबाइल और 7,460 रुपये बरामद किए हैं। नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस लाइन में नए भवनों का शिलान्यास, एसपी केशव कुमार ने भूमि पूजन किया

संवाददाता–कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने पुलिस लाइन में विभिन्न नव–निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। यह कार्यक्रम पुलिस लाइन परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें एसपी केशव कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान पुलिस लाइन के वरिष्ठ अधिकारी और पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर पुलिस लाइन में टाइप–2 और टाइप–3 आवासीय भवनों के निर्माण की आधारशिला रखी गई। इन निर्माण कार्यों का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना और पुलिस व्यवस्था को आधुनिक बनाना है।

नव–निर्माण परियोजना के तहत पुलिसकर्मियों के लिए बेहतर आवास, आधुनिक वाहन पार्किंग और रखरखाव क्षेत्र का निर्माण किया जाएगा। इसके

साथ ही, सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उन्नत सीसीटीवी कैमरे तथा अन्य तकनीकी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। निर्माण कार्यों में पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत को भी ध्यान में रखा गया है।

बताया गया कि यह सभी कार्य उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस विभाग की योजनाओं के अनुरूप किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य पुलिस बल को अधिक प्रभावी, तकनीकी रूप से सक्षम और जनता के प्रति संवेदनशील बनाना है।

इस मौके पर एसपी केशव कुमार ने कहा कि यह भूमि पूजन और शिलान्यास केवल भवन निर्माण का कार्य नहीं, बल्कि कुशीनगर में आधुनिक पुलिसिंग की मजबूत नींव रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नए भवन और सुविधाएं पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करेंगी, जिससे वे और अधिक प्रभावी ढंग से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगे।

एसपी ने आगे कहा कि पुलिस विभाग का लक्ष्य जिले में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था बनाए रखना, महिला सुरक्षा सुनिश्चित करना और जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण करना है। इसके साथ ही, समुदाय के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना भी प्राथमिकता है। नए निर्माण कार्य इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

युवक की संदिग्ध मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव में सोमवार को एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव उसके पुराने मकान में मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जबकि परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक की पहचान 28 वर्षीय आकाश मद्देशिया पुत्र सीताराम के रूप में हुई है, जो कंचनपुर, थाना तरकुलवा का निवासी था। आकाश महाराष्ट्र में पोकलेन मशीन चलाने का काम करता था। वह होली का त्योहार मनाने के लिए 2 मार्च को अपने गांव आया था। परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह आकाश घर से कुछ दूरी पर स्थित अपने पुराने मकान की ओर गया था। दोपहर तक जब वह खाना खाने के लिए घर नहीं लौटा, तो परिवार के सदस्यों ने उसकी तलाश शुरू की। परिजन पुराने मकान पर पहुंचे, जहां दरवाजा खुला मिला। अंदर जाने पर आकाश मृत अवस्था में पड़ा मिला। परिजनों ने बताया कि युवक के गले पर चोट के निशान दिखाई दे रहे थे, जिससे उन्हें हत्या की आशंका हुई। उन्होंने तत्काल घटना की सूचना तरकुलवा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक के पिता सीताराम ने बेटे की हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

भाकपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया विभिन्न मुद्दों पर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–देवरिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को देवरिया कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। उन्होंने विभिन्न मुद्दों को लेकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन एएसडीएम को सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि इन हमलों में बड़ी संख्या में लोगों, विशेषकर छात्रों की मौत हुई है। कार्यकर्ताओं ने इन घटनाओं को अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन बताया और कहा कि इनसे विश्व शांति को खतरा हो सकता है। उन्होंने भारत सरकार से ऐसे हमलों की कड़ी निंदा करने की मांग की। भाकपा नेता कामरेड अरविंद कुशवाहा ने जोर देकर कहा कि विश्व शांति बनाए रखने के लिए सभी देशों को संयम बरतना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना चाहिए। उन्होंने भारत सरकार से विश्व शांति और गुटनिरपेक्ष नीति को मजबूती से आगे बढ़ाने का आग्रह किया। ज्ञापन में खाड़ी देशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए विदेशों में कार्यरत भारतीयों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, प्रदर्शनकारियों ने घरेलू रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का भी विरोध किया। उन्होंने मांग की कि गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतें वापस ली जाएं, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। इस अवसर पर भाकपा के जिला सचिव श्रीराम कुशवाहा, कमला यादव, पूनम यादव, राजेंद्र प्रसाद पाल, विनोद कुमार सिंह, जयप्रकाश यादव सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, इलाज के दौरान तोड़ा दम

संवाददाता–बहराइच। देहात कोतवाली क्षेत्र के टिकोरा मोड़ चौकी अंतर्गत हरियाली पेट्रोल पंप के पास रविवार शाम तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। वाहन की चपेट में आने के कारण युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान रामछबीले यादव मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से घायल अजय यादव को तत्काल मेडिकल कॉलेज बहराइच में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने युवक की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया। युवक की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई।

घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत हेमरिया के मजरा नानहू पुरवा निवासी जगन्नाथ यादव का 18 वर्षीय पुत्र अजय यादव अपने गांव के एक साथी के साथ बाइक से हरियाली पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डलवाने गया था। पेट्रोल डलवाने के बाद जैसे ही दोनों युवक बहराइच–लखनऊ मार्ग पर पहुंचे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पीछे बैठे अजय यादव गंभीर रूप से घायल हो गए।परिजन अजय यादव को लेकर लखनऊ पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्राम प्रधान रामछबीले यादव ने बताया कि अजय यादव पेट्रोल भरवाने के बाद सड़क पर निकला ही था कि पीछे से आए अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

हत्या के दोषी को उम्रकैद की सजा

संवाददाता–बहराइच। कोर्ट ने हत्या के एक मामले में 25 साल बाद फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी अजमेर अली को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उस पर 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। यह मामला सितंबर 2001 का है, जब देहात कोतवाली क्षेत्र के हठीला निवासी लोकई की फावड़े से हमला कर हत्या कर दी गई थी। लोकई अपने भाई सफाउल्ला के साथ घर जा रहे थे। मृतक के भाई सफाउल्ला ने स्थानीय थाने में अजमेर अली और उसके साथियों के खिलाफ हत्या की तहरीर दी थी। पुलिस ने अजमेर अली, गुलाम रसूल और अशोक कोरी के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजा था। उपनिरीक्षक सत्येंद्र कुमार पांडे ने मामले की विवेचना की और नवंबर 2003 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। सोमवार को न्यायाधीश पवन कुमार की अदालत में सजा पर बहस हुई। न्यायाधीश ने आरोपी अजमेर अली को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 30 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

दुल्हन लाने डोली में निकले दूल्हे राजा, बैलगाड़ी से चले बाराती

संवाददाता–देवरिया। जिले के भागलपुर कस्बा से सोमवार को निकली एक अनोखी बारात ने पुराने दिनों की याद दिला दी। डोली में दूल्हे राजा निकले तो बैलगाड़ी व ई–रिक्शा में सवार होकर बाराती चल दिए। इस अनोखी बारात को देखने के लिए कई गांवों के लोग पहुंचे और बारात के साथ वीडियो बनाने के साथ ही सेल्फी भी ली। संस्कृति और रिवाजों से जोड़ने के इस प्रयास को हर किसी ने सराहा।

भागलपुर कस्बा के रहने वाले पूर्व सैनिक वीरेंद्र यादव ने अपने बेटे अभिषेक यादव की शादी सलेमपुर विकास खंड के ग्राम चांदपलिया के रहने वाले अवधेश यादव की बेटी निशा यादव से तय की है। सोमवार को जब बारात चांदपलिया के लिए निकली तो बारात देखने को लोग उमड़ पड़े। बारात ही कुछ ऐसी थी कि लोगों को कई दशक पूर्व की याद दिला दी। दूल्हा बने अभिषेक यादव डोली से निकले। चार कहार जब सजी डोली को लेकर आगे बढ़े तो हर कोई देखने को मजबूर हो गया। इतना ही नहीं, बारातियों के लिए भी कुछ खास ही इंतजाम किया गया था। उनके जाने के लिए बैलगाड़ी व ई–रिक्शा की व्यवस्था की गई थी। बारात में शामिल होने जा रहे लोग जब बैलगाड़ी पर सवार हुए तो उन्हें भी पुराने दिनों की अनुभूति हुई। अभिषेक यादव ने बताया कि उनके पूर्वजों की शादी विवाह, गवना डोली में होती थी, लेकिन समय के साथ यह परंपरा धीरे–धीरे लुप्त होती जा रही थी। इस परंपरा को फिर से जीवित करने के उद्देश्य से हमने डोली बुक कर अपनी बारात उसी परंपरागत अंदाज में निकाली। कहा कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति और रिवाजों से जोड़ने का एक सुंदर प्रयास है, वही दूल्हे ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि हमारी पुरानी परंपराएं हमारी पहचान हैं, आधुनिकता के साथ–साथ हमें इन्हें भी अपने जीवन में उतारना चाहिए। वही अनोखी बारात न सिर्फ एक अच्छा संदेश दिया, बल्कि संस्कृति और विरासत को पुनर्जीवित करने का प्रतीक बन गई।

विधायक पलटू राम ने छात्रों को सम्मानित किया

संवाददाता–बलरामपुर। सदर के विधायक पलटू राम ने 9 मार्च 2026 को रामकृष्ण परमहंस मिशन इंटर कॉलेज के वार्षिकोत्सव में मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। वे अपने विधानसभा क्षेत्र बलरामपुर सदर के अंतर्गत आयोजित इस पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ। विद्यालय परिवार ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति, सामाजिक संदेश और भारतीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विधायक पलटू राम ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है और समाज व राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण का महत्व समझाया। विधायक ने कहा कि लगन और मेहनत से पढ़ाई करने पर जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने छात्रों को देश का भविष्य बताते हुए नैतिक मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक जिम्मेदारियों को भी अपने जीवन में अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कार, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। विधायक ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य छात्रों को भी उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक और क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षकों ने किया। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। विधायक पलटू राम ने सफल आयोजन के लिए विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं और कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं।

एडीएम ने एसआईआर को लेकर की बैठक, कहा– एस.आई.आर. सुनवाई का कार्य 3 दिन में पूरा करें

संवाददाता–बहराइच। अपर जिलाधिकारी अमित कुमार ने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (एईआरओ) और अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को 'मैपिंग' और 'तार्किक विसंगतियों' की श्रेणी के मतदाताओं की सुनवाई का कार्य तीन दिनों में पूरा करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित एक बैठक के दौरान दिए गए। बैठक का उद्देश्य मतदाताओं को जारी की जा रही नोटिसों, उनकी सुनवाई और आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन कार्य को गति प्रदान करना था। एडीएम कुमार ने उन 24 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ विशेष रूप से बैठक की, जिनकी सुनवाई का प्रतिशत 80 से कम था। अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को बताया कि जनपद में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 74 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने इन अतिरिक्त अधिकारियों का सहयोग लेकर 'नो मैपिंग' और 'तार्किक विसंगतियों' से संबंधित मतदाताओं की सुनवाई का कार्य तीन दिनों के भीतर पूरा करने पर जोर दिया। कुमार ने नामित अधिकारियों को पूर्व से तैनात अधिकारियों, बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और सुपरवाइजर्स के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य इनो मैपिंगइ से संबंधित जारी नोटिसों की सुनवाई और तार्किक विसंगतियों वाले मतदाताओं के सत्यापन कार्य को सुनिश्चित करना है।

एडीएम ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को गहन पुनरीक्षण कार्य की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से आह्वान किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार त्रुटिरहित तरीके से और समयबद्धता के साथ नोटिसों की सुनवाई व तार्किक विसंगतियों के सत्यापन का कार्य पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण और अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित रहे।

206 लोगों के नाम वोटर–लिस्ट से गायब

संवाददाता–गोंडा। समाजवादी पार्टी के कटरा बाजार से पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे ने सोमवार को वोटर लिस्ट से नाम हटाने पर डीएम प्रियंका निरंजन से शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाया है मतदाता संक्षिप्त पुनरीक्षण (ैन्ैन्) में कटरा विधानसभा क्षेत्र के 206 जीवित लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। पूर्व विधायक दुबे लगभग 70 लोगों के साथ पैदल चलकर सिविल लाइन स्थित अपने आवास से डीएम कार्यालय पहुंचे थे। पूर्व विधायक दुबे ने बताया कि कटरा विधानसभा के बूथ संख्या 106 से 147 नाम और बूथ संख्या 107 से 59 नाम काटे गए हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पर धांधली का आरोप लगाया है। डीएम ने पूर्व विधायक से कटे हुए नामों का साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा है। बैजनाथ दुबे ने जानकारी दी कि वे सभी लोगों के साक्ष्य और एक शपथ पत्र के साथ डीएम के सामने पेश करेंगे।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि 16 मार्च 2026 को कर्नलगंज तहसील पहुंचकर सभी लोगों के साथ तहसील का घेराव किया जाएगा। पूर्व विधायक दुबे ने कहा कि इस मामले में भाजपा विधायक भी संलिप्त हैं, जिसके लिए वे न्यायालय में परिवाद दायर करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक इस मामले में प्राथमिकी (थ्थ्र) दर्ज नहीं होती, तब तक वे शांत नहीं बैठेंगे।

अयोध्या ड्रीम लैंड में सनातन संकल्प यात्रा का भव्य स्वागत, कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सनातन धर्म रक्षा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चक्रेश जी एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता भार्गव मुनीश जी महाराज का अयोध्या के ड्रीम लैंड में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ता सम्मेलन तथा सनातन संकल्प यात्रा की बैठक भी आयोजित की गई।सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता भार्गव मुनीश जी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म तभी मजबूत होगा जब इसके 16 संस्कार समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी को सबसे पहले स्वयं संस्कारवान बनना होगा। तभी देश के माननीय प्रधानमंत्री का सपना और समस्त हिंदू समाज का स्वप्नकृ हिंदू राष्ट्रकृसाकार हो सकेगा।

कार्यक्रम में प्रांत प्रचारक आचार्य शिव शंकर, अयोध्या मंडल प्रभारी ओंकार नाथ पांडे, मंडल अध्यक्ष राम प्रकाश सिंह, जिला अध्यक्ष सन्नी सिंह (अयोध्या), जिला अध्यक्ष रोहित सिंह (अयोध्या) तथा नगर अध्यक्ष गुड्डू सिंह (गोंडा) के नेतृत्व में ड्रीम लैंड, अयोध्या में संकल्प यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।इस अवसर पर सूबेदार तिवारी, रविनारायण मिश्रा, रोहित मिश्रा, वृजेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ. उज्ज्वल सिंह, बाबा उदय राज सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विचित्र वीर्य हनुमान सबका करते कल्याण –रामकृष्ण दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी के चरण पादुका रामघाट स्थित विचित्र वीर्य हनुमान मंदिर में विराजमान विचित्र वीर्य हनुमान जी महाराज का पाटोत्सव व प्राकट्य महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्ति और आस्था के वातावरण से सराबोर नजर आया।

रविवार सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पंचामृत, फलों के रस और सुगंधित औषधियों से भगवान का विधि–विधान से अभिषेक किया गया। इसके बाद उन्हें नवीन वस्त्र धारण कराकर दिव्य श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात फल, मिष्ठान और विभिन्न पकवानों का भोग अर्पित कर भव्य आरती–पूजन किया गया।मंदिर के महंत एवं सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी के पूर्व सरपंच महंत रामकृष्ण दास महाराज ने कहा कि विचित्र वीर्य हनुमान जी महाराज अपने भक्तों का सदैव कल्याण करते हैं और उनकी सभी बाधाओं को दूर करते हैं। उन्होंने देश में सुख–शांति, आपसी भाईचारे और राष्ट्र की निरंतर प्रगति की कामना की। इस अवसर पर निर्वाणी अनी के श्रीमहंत मुरली दास, श्रीमहंत धर्मदास, महंत गौरीशंकर दास, संकटमोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास, महंत हेमंत दास, सरपंच महंत रामकुमार दास, आचार्य सत्यदेव दास, पहलवान राजेश दास, महंत बलराम दास, महंत जगदीश दास, महंत तेजपाल दास, जटाशंकर दास, पुजारी उपेंद्र दास, नागा अभय दास, नागा कल्लू दास, नागा लवकुश दास, नागा सूर्यमान दास, महंत मनीष दास, स्वामी छविराम दास, महंत उत्तम दास, महंत हरिभजन दास, महंत प्रदीप दास, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, पहलवान मनीराम दास, पुजारी रमेश दास, नागा राजन दास समेत बड़ी संख्या में संत–महंत व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बाइक चोरी कर नंबर प्लेट बदल नेपाल में बेचते थे, पुलिस ने दो चोरों को दबोचा

संवाददाता–बलरामपुर। थाना पचपेड़वा पुलिस ने क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का पर्दाफाश करते हुए एक अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की छह मोटरसाइकिलें, 22 प्लास्टिक कुर्सियां, एक गैस सिलेंडर और 4,400 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि उप निरीक्षक दिलीप कुमार सिंह अपनी पुलिस टीम के साथ कस्बा पचपेड़वा के नई बाजार क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो वाहन चोर गैसड़ी की ओर से बढ़नी की तरफ चोरी की मोटरसाइकिलें लेकर जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तुलसीपुर–बढ़नी मुख्य मार्ग पर सिद्धार्थनगर जनपद के डेबरूआ थाना क्षेत्र के पास ग्राम मलगहिया के निकट घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को रंगे हाथ धर दबोचा।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुस्ताक उर्फ भुर्रे पुत्र अब्दुल मजीद और मोहम्मद जुबेर उर्फ बादशाह पुत्र मोहम्मद मुस्तफा उर्फ नूर आलम के रूप में हुई है। दोनों ग्राम रजडेरवा, थाना गैसड़ी, जनपद बलरामपुर के निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे बलरामपुर सहित आसपास के जिलों से मोटरसाइकिलें चुराते थे और चोरी के बाद वाहनों की नंबर प्लेट बदलकर उन्हें नेपाल में बेच देते थे। इसके अलावा, चोरी की मोटरसाइकिलों का उपयोग कर विद्यालयों, पंचायत भवनों और बंद पड़े मकानों की रेकी कर अन्य चोरी की वारदातों को भी अंजाम देते थे।पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के विरुद्ध पचपेड़वा, गैसड़ी, कोतवाली देहात, महराजगंज तराई और जरवा थानों में चोरी समेत कई गंभीर धाराओं में पूर्व से मुकदमे दर्ज हैं। मोहम्मद जुबेर उर्फ बादशाह थाना गैसड़ी का पंजीकृत हिस्ट्रीशीटर भी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है।

कपड़ा व्यापारी का शव फंदे से लटका मिला

संवाददाता–बलरामपुर। श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक कपड़ा व्यापारी का शव कमरे में फांसी के फंदे से लटका है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अभी तक मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कस्बा निवासी अशरफ अली (45) पिता साहेब अली कस्बे में ही कपड़े की दुकान चलाते थे। सोमवार तड़के रमजान के दौरान सहरी करने के बाद उन्होंने नमाज अदा की और घर के तीसरे कमरे में चले गए। कुछ देर बाद परिजनों ने कमरे में उनका शव फंदे से लटका देखा। इसके बाद जोर–जोर से चिल्लाने लगे। आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए।

मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मृतक का एक पुत्र और दो पुत्रिया है जिनके सिर से पिता का साया उठ गया है।

थाना प्रभारी श्रीदत्तगंज अविरल शुक्ला ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सीएचसी अधीक्षक पर निजी प्रैक्टिस करने का आरोप, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली से मरीज परेशान, डीएम से की शिकायत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उसका बाजार स्थित सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को लेकर स्थानीय लोगों ने शिकायत दर्ज कराई है। सोमवार 9 मार्च को नगर पंचायत उसका बाजार के दर्जनों ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मिलकर अधीक्षक डॉ. एस.के. पटेल के खिलाफ जांच और स्थानांतरण की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि अधीक्षक अपने पद की जिम्मेदारियों का सही ढंग से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। उनके मुताबिक अस्पताल आने वाले मरीजों को समय पर उपचार और दवाएं उपलब्ध नहीं कराई जातीं। कई मामलों में मरीजों को इलाज के नाम पर निजी अस्पतालों में भेज दिया जाता है, जिससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में प्रसव से जुड़े मामलों में गंभीर अनियमितताएं हो रही हैं और सीजर ऑपरेशन के नाम पर करीब ₹5000 तक की अवैध वसूली की जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि अधीक्षक डॉ. एस.के. पटेल अधिकतर समय अस्पताल में मौजूद नहीं रहते। आरोप है कि वह दो निजी अस्पतालों का संचालन करते हैं और वहीं प्रैक्टिस करते हैं। इनमें सरदार वल्लभभाई पटेल अस्पताल (खुनुवा बाईपास मोड़) और एपेक्स अस्पताल शामिल हैं।

उसका बाजार निवासी सिद्धांत यादव ने बताया कि अधीक्षक अधिकतर समय इन्हीं निजी अस्पतालों में ऑपरेशन और प्रैक्टिस करते हैं, जिससे सीएचसी की सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार डॉ. एस.के. पटेल वर्ष 2022 से यहां तैनात हैं। जबकि उत्तर प्रदेश शासन की स्थानांतरण नीति 2025–26 के अनुसार किसी अधिकारी या कर्मचारी का एक ही स्थान पर लंबे समय तक तैनात रहना उचित नहीं माना जाता। ग्रामीणों ने अस्पताल की बुनियादी व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बिजली कटने पर अस्पताल का जनरेटर भी नहीं चलाया जाता, जिससे मरीजों और तीमारदारों को परेशानी होती है। स्थानीय निवासी विजय यादव पहलवान का कहना है कि अधीक्षक शायद ही कभी समय पर अस्पताल में बैठते हैं और अधिकतर समय निजी अस्पताल में प्रैक्टिस करते हैं। ग्रामीणों के मुताबिक इस संबंध में कई बार मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से भी शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि अस्पताल में डिलीवरी होने पर भी मरीजों से ₹5000 तक की वसूली की जाती है, चाहे प्रसव सामान्य ही क्यों न हो। स्थानीय लोगों ने बताया कि दो दिन पहले भी अधीक्षक के कार्यालय का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया गया था, जिसमें उनकी अनुपस्थिति दिखाई गई थी। इससे पहले एक वीडियो सामने आया था जिसमें इलाज न मिलने के कारण परिजन मरीज को गोद में उठाकर वाहन तक ले जाते दिखे थे, ताकि उसे जिला अस्पताल ले जाया जा सके। इन घटनाओं के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने और अधीक्षक का स्थानांतरण करने की मांग की है, ताकि सीएचसी उसका बाजार में आम जनता को बेहतर और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रजत कुमार चौरसिया ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उसका बाजार में अधीक्षक ड्यूटी नहीं देते हैं तो आरोप सिद्ध होने पर कार्रवाई की जाएगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उसका बाजार में लगे सीसीटीवी में एक सप्ताह का वीडियो भी चेक कराया जाएगा। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि शिकायत की जांच कराई जाएगी और यदि आरोप सही पाए गए तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

25 हजार का इनामी दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार, दो साल से चल रहा था फरार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में दो साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अपनी लोकेशन बदलकर पुलिस से बच रहा था। पुलिस के अनुसार, यह मामला 10 सितंबर 2024 को उसका बाजार थाने में दर्ज किया गया था। आरोपी सिड्डे उर्फ राजेन्द्र पुत्र नन्दलाल निवासी सेमरा कला पर सामूहिक दुष्कर्म, बंधक बनाने, धमकी देने और एससीध्एसटी एक्ट के तहत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था।

घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में जुटी थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

सोमवार को पुलिस ने मुखबिर और सर्विलांस की मदद से आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद थाना उसका बाजार पुलिस, जनपदीय एंटी थेफ्ट टीम और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन उसका बाजार के पास घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

इस कार्रवाई के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीम ने तकनीकी और गोपनीय सूचना के आधार पर उसे पकड़ने में सफलता पाई।

अभियुक्त 6 माह के लिए जिलाबदर

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस ने गुण्डा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए ब्रह्मानंद पाण्डेय नामक एक अभियुक्त को छह माह के लिए जिले से बाहर कर दिया है। अपर जिलाधिकारी संतकबीर के न्यायालय के आदेश पर धर्मसिंहवा पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर संदीप कुमार मीना के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष धर्मसिंहवा अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अभियुक्त ब्रह्मानंद पाण्डेय को न्यायालय के आदेश की सूचना देते हुए जिलाबदर किया। अगले छह माह तक ब्रह्मानंद पाण्डेय संतकबीरनगर जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेगा। ब्रह्मानंद पाण्डेय रामराज पांडे का पुत्र है और बौरव्यास, थाना धर्मसिंहवा, जनपद संतकबीरनगर का निवासी है। अभियुक्त ब्रह्मानंद पाण्डेय का आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ थाना धर्मसिंहवा में मु0अ0सं0 706ध्2021 धारा 354(ख), 452, 323, 504, 506 भादवि के तहत मामला दर्ज है। इसके अतिरिक्त, मु0अ0सं0 286ध्2025 धारा 115(2), 352, 351(3), 117(2) बीएनएस और मु0अ0सं0 296ध्2025 धारा 115(2), 352, 351(3), 74 बीएनएस के तहत भी मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष धर्मसिंहवा अमित कुमार, चौकी प्रभारी ब्यौरव्यास उपनिरीक्षक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक शिव कुमार यादव, हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र सचान, कांस्टेबल अरुण कुमार और कांस्टेबल दीपक खरवार शामिल थे।

बोर्ड परीक्षा दिलाने जा रहे भाई की सड़क हादसे में मौत, बहन घायल

संवाददाता–गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन सहित दो लोग घायल हो गए। युवक अपनी बहन को इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा दिलाने जा रहा था। रास्ते में दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार बेलपार पाठक गांव निवासी अनीस गौड़ पुत्र विपिन गौड़ सोमवार सुबह करीब सात बजे अपनी बहन श्रेया गौड़ को इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा दिलाने के लिए बड़हलगंज क्षेत्र के एक विद्यालय ले जा रहा था। दोनों जैसे ही गोलादृउरुवा मार्ग पर चंदौली गांव के पास पहुंचे, सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने अनीस गौड़ को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दूसरे घायल की पहचान 28 वर्षीय रामदयाल पुत्र रामआसरे निवासी खिरजीपुर जिला अंबेडकर नगर के रूप में हुई है। चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि रामदयाल का ससुराल गोला थाना क्षेत्र के पतरा गांव में है और वह ससुराल से विवाद के बाद वापस अपने घर जा रहा था। मृतक अनीस गौड़ अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था और स्नातक का छात्र था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

हत्या के प्रयास में प्रधान समेत दो गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में ग्राम प्रधान सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, एक कारतूस, तीन बांस के डंडे, एक लोहे की रॉड और एक कार बरामद की है। आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

कोतवाल जयप्रकाश दूबे ने बताया कि बस्ती जनपद के मुंडेरवा थाना क्षेत्र के शिकटा बरगाह निवासी उमाशंकर यादव ने इस संबंध में तहरीर दी थी। उमाशंकर पिछले 15 वर्षों से अपने ननिहाल घटरम्हा, खलीलाबाद में रहकर रौरापार चौराहे पर मेडिकल स्टोर चलाते हैं।

तहरीर के अनुसार, 2 मार्च 2026 की रात करीब 11 बजे जब उमाशंकर यादव मेडिकल स्टोर बंद कर घर लौट रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने कथित तौर पर उन्हें बंधक बनाकर मारपीट की और जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी की। पीड़ित किसी तरह अपनी जान बचाकर भागने में सफल रहा और उसने पुलिस को सूचना दी।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने ग्राम प्रधान कृष्णचंद पांडेय, नीरज पांडेय, आलोक राय, नितिन पांडेय और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ बंधक बनाकर मारपीट करने और हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था।

शनिवार को इंस्पेक्टर क्राइम राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोहम्मदपुर कठार के पास से आरोपी प्रधान कृष्णचंद पांडेय और आलोक राय को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में तिर्तौवा चौकी इंचार्ज हरिकेश बहादुर सिंह, कलेक्ट्रेट चौकी इंचार्ज अशोक कुमार दूबे, मगहर चौकी इंचार्ज विनोद कुमार यादव और गौसपुर चौकी इंचार्ज धर्मनाथ यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

कलेक्ट्रेट में मीटर रीडरों का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा पत्र, वेतन–पीएफ कटौती और सुपरवाइजरों की बहाली की मांग

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद सहित अन्य खंडों के मीटर रीडरों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पर पहुंचकर प्रदर्शन करके जिलाधिकारी को एक पत्र सौंपा। इस पत्र में वेतन भुगतान, पीएफ और बिल भुगतान में कटौती रोकने तथा सर्किल इंचार्ज व सभी सुपरवाइजरों को बहाल करने की मांग की गई है। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने इन विषयों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मीटर रीडरों ने बताया कि संतकबीरनगर सर्कल की टीम पिछले कई महीनों से उपभोक्ताओं के घर जाकर वास्तविक मीटर रीडिंग के आधार पर ईमानदारी से बिलिंग का कार्य कर रही थी। उनके सर्किल इंचार्ज ने कर्मचारियों की वेतन और पीएफ, ईएसआई संबंधी समस्याओं को लेकर प्रबंधन से बातचीत की थी। इसके बाद, जोनल अधिकारी ने 23 तारीख को अपने अधिकारों का कथित अनुचित प्रयोग करते हुए सर्किल इंचार्ज को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। 3 मार्च को जनपद के सभी खंड पर्यवेक्षकों को भी कार्यमुक्त कर दिया गया। इस कार्रवाई से कर्मचारियों में गहरा असंतोष है। मीटर रीडरों ने आरोप लगाया है कि जनपद में 205 मीटर रीडर, 12 सुपरवाइजर और 1 सर्किल मैनेजर कार्यरत थे। उन्होंने उच्च प्रबंधन को अपनी मांगों से अवगत कराया है, लेकिन उन्हें केवल आईडी लॉग इन करके काम करने की धमकी दी जा रही है, अन्यथा आईडी बंद करने की चेतावनी दी जा रही है।

कर्मचारियों का कहना है कि वे 7 से 8 वर्षों से काम कर रहे हैं और उपभोक्ताओं को सही बिल देना उनका कर्तव्य रहा है। हालांकि, उनकी जगह कुछ नए लोगों को रखा गया है जो बिना मौके पर गए एक जगह बैठकर हजारों बिल बना रहे हैं।

मीटर रीडरों ने मांग की है कि प्रत्येक माह की 1 से 7 तारीख के बीच नियमित रूप से वेतन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। पत्र सौंपने वालों में राजमणि कृष्ण शर्मा, सुमित कुमार, सुशील कुमार, राजमान कुमार, धीरेंद्र प्रताप, अरुण कुमार, बृजेश कुमार वशिष्ठ, विनय मिश्रा, मृत्युंजय, विकास, राजेश यादव, राजेंद्र प्रसाद, अरविंद कुमार, संतोष कुमार, संगीता रंजन चौधरी, पूसा, विंध्यवासिनी, रीता, बबिता, सुमन, मित्र देवी, अमित यादव, ऋषभ पाठक, हिमांशु, रामचंद्र यादव सहित अन्य मीटर रीडर शामिल थे।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप गड्ढे में पलटी, 18 घायल, मदनपुर माता मंदिर दर्शन करने जा रहे थे

संवाददाता–गोरखपुर। भारत नेपाल बॉर्डर के करीब झुलनीपुर नहर पटरी मार्ग स्थित अमडी पुल के पास सोमवार को श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप गड्ढे में पलट गई। इस दौरान पिकअप सवार 18 लोग घायल हो गए। उसके बाद सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से आननफानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टरों ने तीन घायलों की हालत बिगड़ते देख प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जबकि अन्य घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा था। हादसे के दौरान लोगों में घंटों तक चीख पुकार मची रही।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक कोतवाली ठूठीबारी थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव निपनिया से कुछ लोग एक पिकअप से सवार होकर बिहार स्थित मदनपुर माता मंदिर दर्शन करने के लिए जा रहे थे। पिकअप सवार सभी श्रद्धालु अभी पंचमुखी शिवमंदिर से आगे निचलौल थाना क्षेत्र के झुलनीपुर नहर पटरी मार्ग स्थित अमडी पुल के पास पहुंचे थे। इसी बीच श्रद्धालुओं से भरी पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में पलट गई।

इस दौरान पिकअप सवार नंदलाल (55) जालंधर (56) अभिषेक (4) रानी (40) ओमप्रकाश (65) कैलाशी (50) भुटेली (50) प्रदीप (18) भुआल (20) मीरा (35) चंद्रवती (40) के अलावा सात अन्य सहित कुल 18 लोग घायल हो गए। इनमें से 11 घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर घायल ओमप्रकाश, भुटेली और प्रदीप की हालत बिगड़ते देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जबकि अन्य सात घायलों को मामूली चोट लगने के चलते निजी क्लिनिक पर दवा कराकर घर लौट गए। बताया जा रहा है कि हादसे की शिकार हुई पिकअप में करीब 25 लोग सवार थे। थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार वर्मा के अनुसार, हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंच घायलों को लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है। मामले में तहरीर मिलने पर जांच पड़ताल कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोडर वाहन धड़ल्ले से सवारियां ढो रहे हैं। इसके बाद भी जिम्मेदारों की नजर इन पर नहीं पड़ती है। जबकि जिम्मेदार इन पर कार्रवाई का दावा करते हैं। ट्रैक्टर–ट्रॉली, पिकअप समेत अन्य लोडर वाहनों में धड़ल्ले से सवारियां ढोई जा रही हैं। इसके चलते आए दिन हादसे होते रहते हैं।

करंट लगने से मां–बेटे की मौत, पशुओं से फसल बचाने को खेत में लगाए थे बिजली के तार

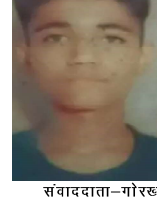

संवाददाता–गोरखपुर। सोमवार को मां और बेटे की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब पशुओं से बचाव के लिए लगाए तारों में उतरे करंट की चपेट में दोनों आ गए। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सकरीगंज थाना क्षेत्र के डढवा गांव में 9 मार्च को दिन में करीब 11 बजे खेत के किनारे काम कर रही मां और बेटे की करंट लगने से मौत हो गई। दरअसल खेत के चारों ओर तार लगाए गए थे। जिनमें से एक तार में अचानक करंट उतर आया। करंट की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा–तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी दीनदयाल मौर्या पुत्र स्व. रामआधार मौर्या मजदूरी करके जीवन यापन करते हैं। उनके चार बच्चों में मृतक हिमांशु के अलावा दो पुत्र हिमेश, धर्मेश और एक पुत्री रितु हैं। उन्होंने खेत में अपनी मटर की फसल को आवारा पशुओं से बचाने के लिए खेत के चारों ओर तार लगाए थे। इसी तार में अचानक करंट उतर आया। खेत के पास काम कर रही उनकी पत्नी और बेटा अनजाने में इस तार की चपेट में आ गए।

हादसे में दीनदयाल मौर्या की पत्नी रीता देवी (45) और उनके 16 वर्षीय बेटे हिमांशु की जान चली गई। हिमांशु कक्षा 9 का छात्र था और दीनदयाल मौर्या के तीन बेटों में दूसरे नंबर पर था। बेटे की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं और परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं।

रीगंज थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक आशीष तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सिकरीगंज एसओ आशीष तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना परिजनों की ओर से मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से पूरे डढवा गांव में शोक की लहर फैल गई है। मां और बेटे की एक साथ हुई मौत से परिवार के साथ–साथ गांव के लोग भी गहरे सदमे में हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे समस्त अभिलेखों मे मेरा नाम उदय भान पटेल Uday bhan Patel है। जबकि मेरे हाईस्कूल की मार्कशीट में मेरा नाम उदयाभान पटेल Udayabhan Patel हो गया है जो कि गलत है। अतः मुझे उदय भान पटेल के नाम से जाना व पहचाना जाए।

(उदय भान पटेल)
ग्राम–करनपुर,
पोस्ट–मंझरिया विक्रम
जनपद–बस्ती (उ. प्र.)

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–362/2012
दयाराम
बनाम
सोनिया आदि

3/1 मुसामात रेशमा उम्र करीब 60 साल विधवा श्यामलाल 3/2 सहाऊ उम्र करीब 40 साल 3/3 विशपूजन उम्र करीब 35 साल पुत्रगण स्व0 श्यामलाल सभी निवासी ग्राम व पोस्ट डड़वा पाण्डये तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–03–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 17 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 465/2025
असफाक अहमद
बनाम
तौफीक अहमद उर्फ मुश्ताक अहमद

1. तौफीक अहमद उर्फ मुश्ताक अहमद पुत्र स्व0 मो0 अब्बास शाह उम्र 65 साल निवासी ग्राम कुसौरा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव पोस्ट कुसौरा थाना कलवारी तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

विधायक ने किया रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। माह–ए–रमजान के पवित्र अवसर पर सोमवार को डुमरियागंज की विधायक सैय्यदा खातून के नेतृत्व में रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। समाजवादी पार्टी जनसंपर्क कार्यालय पर आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न समुदायों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इफ्तार कार्यक्रम में डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र से आए हिंदू और मुस्लिम समाज के सम्मानित लोगों ने एक साथ रोजा इफ्तार किया। इस दौरान आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया गया। रोजेदारों ने नमाज अदा कर एक–दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी और समाज में शांति व एकता की कामना की। इस अवसर पर विधायक सैय्यदा खातून ने कहा कि रमजान का महीना इंसानियत, सब्र और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने जोर दिया कि इफ्तार जैसे कार्यक्रम समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव को मजबूत करते हैं। विधायक ने सभी से समाज में एकता और भाईचारे की भावना बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ–साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। सभी ने एक साथ बैठकर इफ्तार किया, जो सामाजिक समरसता की एक सुंदर मिसाल पेश करता है।इफ्तार पार्टी के दौरान रोजेदारों के लिए खजूर, फल, शरबत और अन्य व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी।

नीलामी सूचना

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी.डि.)/एफ.टी.सी. बस्ती
इजरा वाद संख्या–12/2021

बिनोद कुमार बनाम विद्या देवी आदि

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त इजरा वाद संख्या–12/2021 बिनोद कुमार बनाम विद्या देवी आदि मे माननीय न्यायालय सिविल जज (सी.डि.)/एफ.टी.सी. बस्ती के आदेशानुसार विवादित मकान नंबर–721 रकबा 8.1 फिट X 72 फिट स्थित वार्ड नंबर–6 मो० माली टोला गांधीनगर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती जिसकी चौहददी उत्तर बस्ती से गोरखपुर सड़क, दक्षिण मकान रामदास, पूरब मकान अनूप कुमार व महेश कुमार तथा पश्चिम मकान सत्य प्रकाश आदि का विक्रय किया जाना है। निलामी दिनांक 3.04.2026 को दीवानी न्यायालय परिसर मे 11:00 बजे की जायेगी नीलाम मे उपरोक्त मकान की नीलामी लेने हेतु इच्छुक व्यक्ति समय से पहुँचकर उरोक्त मकान की नीलामी के माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

आज्ञा से
अदालत अमीन जनपद न्यायालय बस्ती
मो0–9839606094

डिक्रीदार	निर्णीत ऋणी
विनोद कुमार पुत्र श्री अयोध्या प्रसाद निवासी मोहल्ला माली टोला गांधी नगर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती	श्रीमती विद्या देवी आदि निवासीगण गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com